विषय-सूची

- प्रकाशकीय
- लेखक की ओर से
- प्रस्तावना

अध्याय	विषय	पृष्ठांक
(1)	**जातियां . एक ऐतिहासिक दृष्टि**	1—5
(1 1)	जातियो का उद्गम	1
(1 2)	जातियो की उत्पत्ति का समय	3
(1 3)	जैन साहित्य मे जाति का सबसे पहला उल्लेख	5
(2)	**पल्लीवाल जाति की उत्पत्ति एवं विकास**	6—29
(2 1)	प्रचलित मान्यताये	6
(2 2)	पल्लीवाल-गच्छ	7
(2 3)	पाली और पल्लीवाल	9
(2 4)	पालीवाल तथा पल्लीवाल	12
(2 5)	पल्लीवाल जाति की उत्पत्ति	13
(2 6)	पल्लीवाल जाति का विकास	16
(2 7)	पल्लीवाल जाति के गोत्र	20
(3)	**पल्लीवाल जाति के ऐतिहासिक प्रसग**	30—52
(3 1)	श्री कुन्दकुन्दाचार्य	30
(3 2)	हेमाचार्य पल्लीवाल जाति के सस्थापक	34
(3 3)	पल्लव वश तथा पल्लीवाल जाति	35
(3 4)	पल्ली तथा पल्लीचन्दम्	35
(3 5)	चन्द्रवाड और राजा चन्द्रपाल	37
(3 6)	क्या पल्लीवाल क्षत्रिय थे ?	40
(3 7)	महत्वपूर्ण लेख तथा मूर्तिलेख	41

(4) **समाज-दर्शन** 53—83

(4 1) चौरासी जातियो एव साढे बारह प्रकार की जातियो मे पल्लीवाल जाति का स्थान 53

(4 2) कचौडाघाट के पल्लीवाल 58

(4 3) नागपुर क्षेत्र के पल्लीवाल 60

(4 4) पल्लीवाल जाति की सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति 64

(4 5) धार्मिक क्षेत्र मे पल्लीवाल 66

(4 6) पल्लीवालो द्वारा निर्मित जैन मन्दिर 69

(4 7) धूलियागज, आगरा स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर तथा आध्यात्मिक शैली 72

(4 8) साहित्यिक क्षेत्र मे पल्लीवाल जाति का योगदान 74

(4 9) शिक्षा का प्रचार-प्रसार 75

(4 10) रीति-रिवाज 76

(4 11) जातीय सभाये/सस्थाये 79

(4 12) पत्रकारिता 80

(4 13) जनगणना 81

(4 14) इतिहास-लेखन 82

(4 15) शिक्षण सस्थाये, धर्मशालाये तथा औषधालय आदि 83

(5) **पल्लीवाल जाति के विशिष्ट व्यक्तियो का सक्षिप्त परिचय** 84—134

(6) **भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन मे पल्लीवाल जाति का योगदान** 135

(7) **परिशिष्ट**

(1) पल्लीवाल शब्द एक दृष्टि 145

(2) पल्लीवाल ब्राह्मण

(8) **सदर्भ-सूची** 152—155